Class 10 Hindi Sparsh Chapter 11: तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र (Teesri Kasam Ke Shilpkar Shailendra) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Teesri Kasam Ke Shilpkar Shailendra Class 10 notes (तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र) CBSE कक्षा 10 हिंदी स्पर्श भाग 2 के ग्यारहवें पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: प्रहलाद अग्रवाल का परिचय, पाठ का सारांश, फ़िल्म के तथ्य, शैलेंद्र का व्यक्तित्व, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- फ़िल्म के प्रमुख तथ्य
- शैलेंद्र के व्यक्तित्व की विशेषताएँ
- पाठ के प्रमुख बिंदु
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

प्रहलाद अग्रवाल का जन्म 1947 में मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुआ। वे हिंदी के प्राध्यापक और फ़िल्मों पर लिखने वाले प्रसिद्ध लेखक हैं। प्रमुख रचनाएँ: सातवाँ दशक, तानाशाह, मैं खुशबू, सुपर स्टार, राजकपूर: आधी हकीकत आधा फ़साना, कवि शैलेंद्र: ज़िंदगी की जीत में यकीन, प्यासा: चिर अतृप्त गुरुदत्त, उत्ताल उमंग: सुभाष घई की फ़िल्मकला।

इस पाठ में लेखक ने गीतकार शैलेंद्र द्वारा निर्मित एकमात्र फ़िल्म 'तीसरी कसम' के माध्यम से उनके व्यक्तित्व का परिचय दिया है। यह फ़िल्म फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'मारे गए गुलफ़ाम' पर आधारित थी। फ़िल्म को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक सहित कई पुरस्कार मिले, पर व्यावसायिक रूप से वह असफल रही। पाठ शैलेंद्र की संवेदनशीलता, सादगी और आदर्शवादिता को उजागर करता है।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

तीसरी कसम: एक कवि की फ़िल्म

- 'तीसरी कसम' गीतकार शैलेंद्र द्वारा निर्मित पहली और अंतिम फ़िल्म थी।
- फ़िल्म को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक मिला; बंगाल फ़िल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने इसे सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म का पुरस्कार दिया; मास्को फ़िल्म फ़ेस्टिवल में भी इसे पुरस्कृत किया गया।
- यह फ़िल्म एक कवि-हृदय की भावुकता से बनी थी, धन कमाने के लिए नहीं।

राज कपूर और शैलेंद्र

- राज कपूर और शैलेंद्र में गहरी मित्रता थी।
- राज कपूर ने फ़िल्म में हीरामन की भूमिका निभाई और मित्रता के कारण केवल नाममात्र पारिश्रमिक लिया।
- राज कपूर ने शैलेंद्र को फ़िल्म की असफलता के खतरों से सावधान भी किया था।
- राज कपूर का अभिनय इतना स्वाभाविक था कि वे पूरी तरह देहाती गाड़ीवान हीरामन बन गए; वहीदा रहमान ने हीराबाई की भूमिका निभाई।

फ़िल्म की असफलता

- फ़िल्म की संवेदना बहुत गहरी थी, जिसे पैसा कमाने वाले वितरक समझ नहीं सके।
- वितरकों ने फ़िल्म खरीदने में रुचि नहीं दिखाई; प्रचार भी ठीक से नहीं हुआ।
- फ़िल्म व्यावसायिक रूप से असफल रही और शैलेंद्र आर्थिक व मानसिक संकट में आ गए।
- कुछ ही समय बाद उनका निधन हो गया।

गीत-विवाद: "दसों दिशाएँ"

- फ़िल्म के एक गीत में "दसों दिशाओं" शब्द पर संगीतकार जयकिशन ने आपत्ति की कि दर्शक चार दिशाएँ जानते हैं।
- शैलेंद्र ने यह बदलाव स्वीकार नहीं किया; उनका मानना था कि कलाकार का कर्तव्य दर्शकों की रुचि को परिष्कृत करना है, उसे सस्ता बनाना नहीं।
- यह शैलेंद्र की आदर्शवादिता और कला के प्रति ईमानदारी दिखाता है।

साहित्य के प्रति निष्ठा

- फ़िल्म में रेणु की मूल कहानी की आत्मा को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया।
- फ़िल्म में दुख को भी सहज और जीवन के अंग के रूप में दिखाया गया, उसे बढ़ा-चढ़ाकर नहीं।
- शैलेंद्र के गीत सरल, भावपूर्ण और जनसाधारण की भाषा में थे।
- लेखक के अनुसार 'तीसरी कसम' साहित्य को सेल्युलाइड पर उतारने का सफल उदाहरण है।

फ़िल्म के प्रमुख तथ्य

तथ्यात्मक प्रश्नों और MCQs के लिए।

विषय	तथ्य
निर्माता	शैलेंद्र (गीतकार)
आधार कहानी	मारे गए गुलफ़ाम – फणीश्वरनाथ रेणु
मुख्य कलाकार	राज कपूर (हीरामन), वहीदा रहमान (हीराबाई)
पुरस्कार	राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, बंगाल फ़िल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन, मास्को फ़िल्म फ़ेस्टिवल
व्यावसायिक परिणाम	असफल

शैलेंद्र के व्यक्तित्व की विशेषताएँ

चरित्र-चित्रण के लिए।

- संवेदनशील कवि-हृदय
- आदर्शवादी: व्यावसायिक समझौते नहीं किए
- सरल और सादगीपूर्ण
- सच्चे मित्र
- धन-लिप्सा से दूर, कला के प्रति समर्पित

पाठ के प्रमुख बिंदु

बिंदु	विवरण
पाठ का केंद्र	शैलेंद्र और उनकी फ़िल्म तीसरी कसम
राज कपूर की भूमिका	हीरामन; मित्रता में नाममात्र पारिश्रमिक
विवाद	दर्सों दिशाएँ बनाम चार दिशाएँ
असफलता का कारण	गहरी संवेदना, वितरकों की अरुचि
लेखक का मत	साहित्य को फ़िल्म में उतारने का सफल प्रयास

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
अंतराल	बीच का समय
अभिनीत	अभिनय किया गया
सर्वोत्कृष्ट	सबसे अच्छी
सैल्यूलाइड	फ़िल्म की रील
कलात्मकता	कला से युक्त
सार्थकता	सफलता
पारिश्रमिक	मेहनताना
याराना मस्ती	दोस्ताना अंदाज़
आग्रह	विनती
प्रतिमान	मानक
अभिजात्य	उच्च वर्ग का
उथलापन	सतहीपन
न्यस्त	निहित
त्रासद	दुखद
प्रतिरूप	छवि
भावप्रवण	भावुक
शिल्पकार	निर्माता, कारीगर

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. 'तीसरी कसम' फ़िल्म को कौन-कौन से पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है?

उत्तर: 'तीसरी कसम' को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक मिला, बंगाल फ़िल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म का पुरस्कार मिला और मास्को फ़िल्म फ़ेस्टिवल में भी यह पुरस्कृत हुई।

प्रश्न 2. शैलेंद्र ने कितनी फ़िल्में बनाईं?

उत्तर: शैलेंद्र ने केवल एक फ़िल्म बनाई – 'तीसरी कसम'।

प्रश्न 3. 'तीसरी कसम' फ़िल्म में राज कपूर और वहीदा रहमान ने कौन-सी भूमिकाएँ निभाईं?

उत्तर: राज कपूर ने गाड़ीवान हीरामन की और वहीदा रहमान ने नौटंकी कलाकार हीराबाई की भूमिका निभाई।

प्रश्न 4. फ़िल्म 'तीसरी कसम' किस कहानी पर आधारित है?

उत्तर: यह फ़िल्म फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'मारे गए गुलफ़ाम' पर आधारित है।

प्रश्न 5. 'तीसरी कसम' फ़िल्म को खरीददार क्यों नहीं मिल रहे थे?

उत्तर: फ़िल्म की संवेदना गहरी थी और उसमें व्यावसायिक मसाला नहीं था; पैसा कमाने वाले वितरकों को इसमें लाभ नहीं दिखा, इसलिए खरीददार नहीं मिले।

प्रश्न 6. शैलेंद्र के अनुसार कलाकार का कर्तव्य क्या है?

उत्तर: शैलेंद्र के अनुसार कलाकार का कर्तव्य है कि वह दर्शकों की रुचि को परिष्कृत करे, उनकी रुचि की आड़ में सस्ता और उथला मनोरंजन न परोसे।

प्रश्न 7. फ़िल्मों में त्रासद स्थितियों का चित्रांकन ग्लोरिफ़ाई क्यों कर दिया जाता है?

उत्तर: निर्माता दर्शकों की भावनाओं का दोहन करके अधिक पैसा कमाने के लिए दुख को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं; पर तीसरी कसम में दुख को सहज रूप में दिखाया गया।

प्रश्न 8. शैलेंद्र के गीतों की क्या विशेषताएँ हैं?

उत्तर: शैलेंद्र के गीत सरल, सहज, भावपूर्ण और जनसाधारण की भाषा में हैं; उनमें गहरी संवेदना और जीवन का सच है, जो सीधे दिल को छूता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. शैलेंद्र के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

- संवेदनशील कवि: उनके गीतों में गहरी भावनाएँ।
- आदर्शवादी: "दसों दिशाएँ" जैसे शब्द पर समझौता नहीं किया।
- धन-लिप्सा से दूर: फ़िल्म भावना से बनाई, कमाई के लिए नहीं।
- सच्चे मित्र: राज कपूर से गहरी मित्रता।
- साहित्य-प्रेमी: रेणु की कहानी की आत्मा को सुरक्षित रखा।

प्रश्न 2. 'तीसरी कसम' को साहित्य को फ़िल्म पर उतारने का सफल प्रयास क्यों कहा गया है?

- फ़िल्म में मूल कहानी की आत्मा पूरी तरह सुरक्षित है।
- पात्र और परिवेश स्वाभाविक रूप में दिखाए गए।
- राज कपूर हीरामन के रूप में पूरी तरह देहाती बन गए।
- दुख को बिना बढ़ा-चढ़ाकर सहज रूप में दिखाया गया।
- इसलिए यह फ़िल्म साहित्य और सिनेमा के सफल मेल का उदाहरण है।

प्रश्न 3. राज कपूर और शैलेंद्र के संबंधों पर पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए।

- दोनों में गहरी मित्रता थी।
- राज कपूर ने मित्रता के कारण नाममात्र पारिश्रमिक लिया।
- उन्होंने शैलेंद्र को फ़िल्म की असफलता के खतरे से आगाह भी किया।
- उन्होंने हीरामन की भूमिका पूरी लगन से निभाई।
- यह संबंध सच्ची मित्रता और परस्पर सम्मान का उदाहरण है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. पाठ के लेखक हैं

(क) प्रहलाद अग्रवाल (ख) लीलाधर मंडलोई (ग) निदा फ़ाज़ली (घ) रवींद्र केलेकर

उत्तर: (क) प्रहलाद अग्रवाल

2. 'तीसरी कसम' के निर्माता थे

(क) राज कपूर (ख) शैलेंद्र (ग) बासु भट्टाचार्य (घ) रेणु

उत्तर: (ख) शैलेंद्र

3. फ़िल्म किस कहानी पर आधारित है?

(क) पंच परमेश्वर (ख) मारे गए गुलफ़ाम (ग) ईदगाह (घ) उसने कहा था

उत्तर: (ख) मारे गए गुलफ़ाम

4. 'मारे गए गुलफ़ाम' के लेखक हैं

(क) प्रेमचंद (ख) फणीश्वरनाथ रेणु (ग) यशपाल (घ) अज्ञेय

उत्तर: (ख) फणीश्वरनाथ रेणु

5. फ़िल्म में राज कपूर की भूमिका थी

(क) हीराबाई (ख) हीरामन (ग) गुलफ़ाम (घ) लालमोहर

उत्तर: (ख) हीरामन

6. हीराबाई की भूमिका किसने निभाई?

(क) नरगिस (ख) वहीदा रहमान (ग) मधुबाला (घ) मीना कुमारी

उत्तर: (ख) वहीदा रहमान

7. फ़िल्म को कौन-सा राष्ट्रीय सम्मान मिला?

(क) भारत रत्न (ख) राष्ट्रपति स्वर्ण पदक (ग) पद्मश्री (घ) ज्ञानपीठ

उत्तर: (ख) राष्ट्रपति स्वर्ण पदक

8. "दसों दिशाएँ" शब्द पर किसने आपत्ति की?

(क) राज कपूर (ख) जयकिशन (ग) वहीदा (घ) रेणु

उत्तर: (ख) जयकिशन

9. फ़िल्म व्यावसायिक रूप से कैसी रही?

(क) सफल (ख) असफल (ग) औसत (घ) सुपरहिट

उत्तर: (ख) असफल

10. शैलेंद्र ने कितनी फ़िल्में बनाईं?

(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) पाँच

उत्तर: (क) एक

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- लेखक: प्रहलाद अग्रवाल (1947, जबलपुर); फ़िल्मों पर लेखन।
- शैलेंद्र की एकमात्र फ़िल्म: तीसरी कसम।
- आधार: रेणु की 'मारे गए गुलफ़ाम'।
- राज कपूर = हीरामन (नाममात्र पारिश्रमिक); वहीदा रहमान = हीराबाई।
- पुरस्कार: राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, बंगाल फ़िल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन, मास्को।
- व्यावसायिक असफलता; "दसों दिशाएँ" पर जयकिशन से असहमति।

सारांश (Summary)

'तीसरी कसम' गीतकार शैलेंद्र द्वारा निर्मित एकमात्र फ़िल्म थी, जो फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'मारे गए गुलफ़ाम' पर आधारित थी। राज कपूर ने मित्रता के कारण नाममात्र पारिश्रमिक लेकर हीरामन की भूमिका निभाई और वहीदा रहमान हीराबाई बनीं। फ़िल्म को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक सहित कई पुरस्कार मिले।

फिर भी गहरी संवेदना और व्यावसायिक मसाले की कमी के कारण वितरकों ने रुचि नहीं ली और फ़िल्म असफल रही। शैलेंद्र ने "दसों दिशाएँ" जैसे शब्दों पर समझौता नहीं किया, क्योंकि उनका मानना था कि कलाकार को दर्शकों की रुचि परिष्कृत करनी चाहिए। लेखक इस फ़िल्म को साहित्य को परदे पर उतारने का सफल प्रयास मानते हैं।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- फ़िल्म तथ्य तालिका से MCQs और लघु उत्तर हल करें।
- "कलाकार का कर्तव्य" और "दसों दिशाएँ" प्रसंग अवश्य याद करें।
- शैलेंद्र के व्यक्तित्व पर दीर्घ उत्तर तैयार रखें।
- राज कपूर-शैलेंद्र संबंध पर प्रश्न आ सकता है।
- फ़िल्म की असफलता के कारण बिंदुवार लिखें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?

कला को व्यावसायिकता से ऊपर रखना; संवेदनशीलता, आदर्शवादिता और साहित्य के प्रति निष्ठा।

क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?

हाँ, यह CBSE हिंदी B की पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 में है।

क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र कला और व्यावसायिकता के संघर्ष की कहानी है। फ़िल्म तथ्य तालिका और व्यक्तित्व बिंदु दोहराकर इस पाठ में पूरे अंक पाएँ।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Sparsh Chapter 10: तताँरा-वामीरो कथा notes | Class 10 Hindi Sparsh Chapter 12: अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi B) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।